अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

जून 2022 अंक 287

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

नवम साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी

को भाव भरी अभिवन्दना

उच्चारित गुरु के श्रीमुख से
सुनकर नाम आपका पद पर,
होकर दसों दिशाएं गर्वित
करती नाज आपके कद पर।

प्रखर, प्रबुद्ध चेतना से अनुप्राणित
विविध ज्ञान भाषाई।
नव–निर्वाचित प्रमुखा विश्रुत विभा
हृदय बसे करुणाई।

मिले सदा वात्सल्य आपका
भरती रहो जागरण हम में
लें अगाध श्रद्धा के स्वर जो
ध्वनित हो रहें जन–जन, मन में

ये अभिनन्दन के प्रांजल पल
कुसुमित, प्रमुदित हृदय हमारा।
शिखर साधना चले संघ में
आभावलय भरे उजियारा।

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अमृत निर्झर

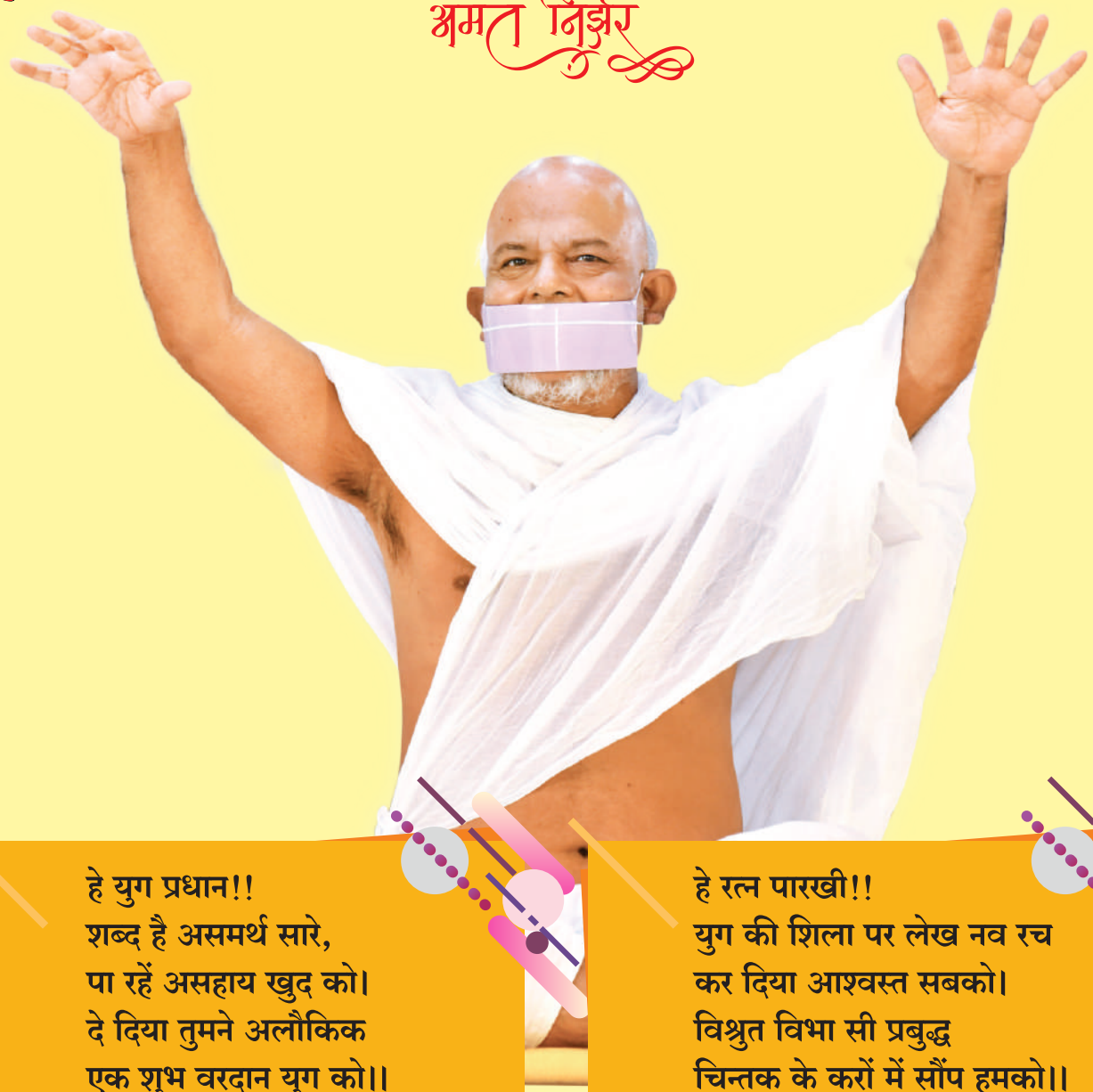

हे युग प्रधान!!
शब्द है असमर्थ सारे,
पा रहें असहाय खुद को।
दे दिया तुमने अलौकिक
एक शुभ वरदान युग को।।

हे करुणा निधान!!
आकण्ठ है अभिभूत हम सब,
भाव की लहरें मचलती।
पा रहम अद्भुत तुम्हारी
हर्ष की गागर छलकती।।

हे चिन्मय दिवाकर!!
सबसे प्रखर रश्मि स्वयं की
को दिया सम्मान तुमने।
पद प्रमुखा सौंप उनको,
भर दिया उत्साह सबमें।।

हे रत्न पारखी!!
युग की शिला पर लेख नव रच
कर दिया आश्वस्त सबको।
विश्रुत विभा सी प्रबुद्ध
चिन्तक के करों में सौंप हमको।।

हे युग नायक!!
लखदाद तेरी दृष्टि को
जो सूर्य के भी पार जाकर।
ढूंढ लाई चांदनी
अर्पित किया संघ को, प्रभाकर।।

हे हृदय देव!!
चिर ऋणी हम आपके
शिव, सुन्दरम् नेतृत्व पाकर।
युग चरण नित नित पखारें,
जागरण के गीत गाकर।।

अध्यक्षीय अनुभूति

Sometimes your heart takes more time to accept what your mind already knows or accepts

सम्माननीय बहनों,

यदि सच्चाई का समाना करना ही है तो देर किस बात की?

डॉक्टर – 'आपने आखिरी बार अपनी पूरी स्वास्थ्य–जाँच कब कराई थी?'

महिला – 'मैंने अपनी पूरी जाँच कभी नहीं कराई।'

डॉक्टर चकित स्वर में – 'ऐसा क्यों? चालीस की उम्र के बाद, कम से कम दो साल में एक बार तो आपको अपनी पूरी जाँच करा ही लेनी चाहिए।'

महिला – 'डॉक्टर साहब, मैं जाँच नहीं कराना चाहती क्योंकि फिर जांच के बाद मुझे कई रिपोर्ट थमा देंगे जो बता रही होंगी कि मेरा या तो कोलेस्ट्राल बढ़ा हुआ है या मुझे डायबिटिज हो गया है.. और न जाने क्या–क्या? मैं अभी बिल्कुल ठीक–ठाक हूं। यदि एक बार यह जाँच करा ली तो मुझे लगने लगेगा कि मैं वाकई बीमार हूं।'

क्या यह बात प्राय: हम सभी के जीवन का परिदृश्य नहीं लगती। हम अकसर सच्चाई से मुख मोड़ते हुए उसे नजरअन्दाज करने की कोशिश करते हैं। आप अच्छी तरह से जानते हैं कि इस तरह की परिस्थिति से बचकर भागना केवल थोड़े समय के लिए ही हो सकता है और यह भी जानते हैं कि जीवन में किसी भी परिस्थिति से आप स्थाई रूप से नहीं भाग सकते। फिर भी इसका प्रयास क्यों करते रहते हैं? आप आशा के विपरीत आशा क्यों करते हैं? ऐसा क्यों है कि जो आपको जानना चाहिए, उसे आप जानना ही नहीं चाहते? केवल अपनी आँखें बंद कर लेने से सारे संसार से प्रकाश समाप्त नहीं हो जाता।

जब इसका सामना करना ही है, तो फिर देर से ही क्यों? कोई भी बात हो, उसे भविष्य पर क्यों टाला जाए? आज जिस चिंगारी को नजरअंदाज कर रहे हैं, कल वही भीषण आग बनकर आप ही को अपने चपेटे में ले रही होगी। यह सच है कि अधिकतर लोग जीवन की सच्चाई का सामना करने का साहस नहीं जुटा पाते। अनेक बार हमें लगता है कि दोस्तों के बीच दूरियाँ बढ़ रही है। इसका भी सामना करके इस बारे में कुछ समाधान निकाला जा सकता है। हमें लगता है कि अभिभावक के रूप में हम अपने बच्चों को जितना प्रभावित कर सकते हैं, उससे अधिक उनके मित्र उन्हें प्रभावित कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह कड़वा सच है, लेकिन इसका सामना करने से ही इस बारे में कुछ किया जा सकता है। कभी लग सकता है कि वैवाहिक जीवन में दरार बढ़ती जा रही है। यह भी हृदय दहल करने वाला सच है। लेकिन इसका भी सामना करने की अनिच्छा क्या भला इसका समाधान कर पाएगी? हालाँकि मैंने उससे कह तो दिया कि गलती उसकी थी, लेकिन मन ही मन मैं जानती हूं कि गलती मेरी ही थी। और... ऐसी कई बातें हैं जिनकी सूची अंतहीन हो सकती है।

समस्याओं को सुलझाने का प्रयास सच का सामना करने से ही हुई है। सच को स्वीकार करना, उस स्थिति को समझना और अनेकान्तवाद के principle को apply करने से जीवन की अनेक समस्याओं से निजात मिल सकती है।

स्थितियों को स्वीकार कैसे किया जाए?

- सबसे पहले खुद को देखना
- Self-Discipline
- विचारों को flexible बनाना
- स्वयं के साथ comfortable रहना
- वर्तमान में जीना
- कृतज्ञता के भाव रखना

किसी परिस्थिति से भागना हमारे लिए कभी लाभदायक नहीं हो सकता। अमूमन यह निकट भविष्य में हानिकारक ही होता है।

स्वयं के जीवन में घटित होने वाली परिस्थितियों को नजरअन्दाज की जाने वाली तालिका बनाएं और उस पर गहन चिन्तन–मनन करें। उन परिस्थितियों या नजरिए को नीचे दिए मापदण्ड पर सही आकलन करें।

- जो सही नहीं है, क्या हम उस सच्चाई को स्वीकार कर पा रहे हैं?
- क्या हमने उन स्थितियों को सुधारने का मानस बनाया है।
- क्या उस सच्चाई से रूबरू होकर जीवन की प्रतिकूलताओं को अनुकूलताओं में बदलने का सही प्रयास हम कर रहे हैं।
- क्या इसकी पहल करने हेतु हमने पहला कदम उठा लिया है?

जरूरत है सच्चे मन से इन बिन्दुओं पर आकलन करने की। सच्चाई का सामना – आपके स्वास्थ्य को बेहतर, रिश्तों को सुन्दर, हृदय को निर्मल, दृष्टिकोण को सकारात्मक एवं व्यवसाय को बढ़ोतरी की तरफ ले जा सकता है।

तो आइए, आज ही पहल करें और सच्चाई का निडर होकर सामना करने करें। इससे ही हम स्वयं को, हमारे परिवार को तथा हमारे ईर्दगिर्द रिश्तों को भी सहेज कर रख सकते हैं। इस दृष्टिकोण से हमारे जीवन में बेहतरीन प्रभाव पडेगा और हमारे मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को भी संतुलित रखने में कारगर सिद्ध होगा। इससे हम एक बेहतर जिन्दगी जी सकते हैं और अपना भविष्य भी सुन्दर एवं उज्ज्वल बना सकते हैं।

सच्चाई स्वीकार करने का साहस रखें क्योंकि यही सही है, यही जीवन को सत्यनिष्ठा से जीने की जादुई चाबी है। बहनों! यह सुन्दर प्रयास आज से ही प्रारम्भ करें और अपने जीवन को सही तरीके से जीएं और स्वयं के जीवन को खुशहाल बनाएं।

शेष शुभ...

स्नेहाकांक्षी

नीलम सेठिया

नवम साध्वीप्रमुखाश्री मनोनयन पर अभातेममं पदाधिकारियों द्वारा अभिवन्दना स्वर

नवम साध्वीप्रमुखा मनोनयन पर साध्वीश्री विश्रुतविभाजी का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए यही मंगलकामना करते हैं कि आप दीर्घायु होते हुए धर्मसंघ की सेवा में सदैव रत रहें और आपकी अनुशासना में महिला मंडल निरन्तर गति प्रगति करता रहे।

सरिता डागा, उपाध्यक्ष वरिष्ठ

प्रमुखा पद पर हुए सुशोभित, सहज सौम्य तेरी मुस्कान
नारी जग को पुनः मिलेगी, युगानुरूप नयी पहचान
अद्भुत योग मिला तुमको भी, तीन–तीन गुरुओं का साया
सती शिरोमणि शासन माता, की भी मिली अनुपम छाया
जो शक्ति है तुममें संचरित, भर दो उससे गण भंडार
अभिवंदन है साध्वी प्रमुखा, जग का हो तुमसे उद्धार

विजयलक्ष्मी भूरा, उपाध्यक्ष

सरदार सती पट परंपरा पर घोषित हुआ साध्वी प्रमुखा का नाम
विश्रुत विभा का चयन कर गुरुवर ने जोड़ा नवम आयाम
मुख्य नियोजिका कर्तृत्व से संघ का बढाया मान,
गुरु त्रय की कृति, सौम्य आकृति विलक्षण व्यक्तित्व तुम्हारी पहचान
नव ज्योतित किरण, ज्योतित है सभी दिशाएं
नव उत्साह संग लिखो शक्ति की नई ऋचाएं
युगों युगों तक मिलती रहे साध्वीप्रमुखा अनुशासना
दीर्घायु, चिरायु, शतायु बनो यही मंगल कामना

मधु देरासरिया, महामंत्री

नौवीं साध्वीप्रमुखा के रूप में साध्वीश्री विश्रुतविभाजी का चयन धर्मसंघ के लिए अति आल्हाद का विषय है। आप चिरकाल तक इस पद पर अपनी महनीय सेवाएं देते हुए हम सभी का मार्ग प्रशस्त करती रहें, यही शुभ भावना, मंगलकामना।

रंजू लुणिया, कोषाध्यक्ष

जब प्रतिभा के साथ पुरुषार्थ, हुनर के साथ हौसला होता है, तभी व्यक्ति शून्य से शिखर, बीज से वटवृक्ष, बून्द से सागर और बिंदु से महासिंधु के रूप में अपनी व्यापकता को स्थापित कर पाता है। आप श्री को तीन आचार्यों का मार्गदर्शन तो मिला ही, साथ ही पूर्व की अष्टम साध्वी प्रमुखाओं की ज्ञात–अज्ञात प्रेरणा से आप धन्यता का अनुभव करती हैं। आप दीर्घायु हों, स्वस्थ रहें, धर्मसंघ में विकास के नव कीर्तिमान स्थापित करते हुए चिरकाल तक धर्म प्रभावना में अग्रसर रहें, यही मंगलकामना व शुभकामना।

नीतू ओस्तवाल, सहमंत्री

तेरापंथ धर्मसंघ के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि आचार्य श्री महाश्रमणजी ने नवम साध्वीप्रमुखा के रूप में साध्वीश्री विश्रुतविभाजी का मनोनयन किया है। साध्वीश्री विश्रुतविभाजी ने नियोजिकाजी के रूप में धर्मसंघ में अनेक प्रकार की सेवाएं दी है। प्रबुद्ध विचारक, धैर्य और गांभीर्य की मूरत, ज्ञानाराधना में सदैव संलग्न, उच्च कोटि की लेखिका आदि गुणों से संतृप्त विशिष्ट साध्वी का प्रमुखा के रूप में चयन होना धर्मसंघ के लिए अति सौभाग्य का सूचक है। नवम साध्वीप्रमुखा के प्रति अभ्यर्थना करते हुए आपके उज्ज्वल भविष्य हेतु हार्दिक मंगलकामना।

निधि सेखानी, सहमंत्री

नौवें साध्वी प्रमुखाश्री के रूप में हमें साध्वीश्री विश्रुतविभाजी मिले हैं। आपने पूर्व में तीन बार समणी नियोजिका का दायित्व भी संभाला है और समणी रूप में विदेशों की सार–सम्भाल भी की है। आप नव चिंतन के साथ गुरु के इंगित–इशारों को समझते हुए, नई पीढ़ी के अनुसार सोचती हैं। अनन्त अनन्त अभ्यर्थना आप श्री के साध्वी प्रमुखा बनने पर।

सरिता बरलोटा, प्रचार प्रसार

तेरापंथ धर्मसंघ की नवम साध्वीप्रमुखा है –
श्रद्धेय साध्वीश्री विश्रुतविभाजी
आचार्य महाश्रमण के शब्दों में
साध्वी समुदाय के सर्वोच्च पद पर आसीन है –
श्रद्धेय साध्वीश्री विश्रुतविभाजी

स्नेह स्रोतस्विनि, ज्ञान की गंगोत्री, साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी
के चरणों में सकल महिला समाज की अभिवंदना–अभिवंदना

हृदय हर्षित है, पुलकित है, उमंगित है
मंगल भावों के साथ भेंट कर रहे हैं श्रद्धा भरा उपहार

जैन धर्मोस्तु मंगलम्

कार्यक्रम के रूप में जिसको दिया है हमने आकार
जैन दर्शन बने जन–जन का दर्शन
बदले जीवन की दिशा–दशा, बदले चिन्तन

जैनागमों में जीवन के अनेकानेक गूढ़ रहस्य एवं उनके समाधान कूट–कूट कर भरे हैं।
आवश्यकता है उन्हें जानने की, समझने की, मानने की और जीवन में उतारने की।
because Jainism is just not a religion, it is scientific way to lead a perfect life.

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
नवम साध्वीप्रमुखाश्रीजी की अभ्यर्थना में प्रस्तुत कर रहा है
जैन स्कॉलर्स एवं तत्त्वप्रचेता द्वारा अनूठी कार्यशाला
जिसे अभातेममं द्वारा देश भर के चार अंचल में आयोजित किया जाएगा।
जैन स्कॉलर्स एवं तत्त्वप्रचेता अपने गूढ़ ज्ञान से अन्य विद्वानों से चर्चा कर
जैन धर्म के सार को जन-जन तक पहुंचाने का करेंगे प्रयास।

समस्त शाखा मंडल के सदस्यों से निवेदन है कि आपके अंचल में जब भी यह कार्यशाला आयोजित हो,
इसमें अपनी सहभागिता अवश्य दर्ज करें एवं जैन धर्म के सार को समझते हुए, अंगीकार करते हुए
अपने जीवन को सही दिशा में प्रशस्त करें।
इस कार्यशाला में पथप्रदर्शक के रूप में कोलकाता से डॉ. पुखराज सेठिया का महनीय सहयोग प्राप्त होगा।

तो जुड़े रहिए और इन्तजार कीजिए विस्तृत विवरण का

आचार्य श्री महाश्रणजी के षष्टिपूर्ति एवं युगप्रधान अलंकरण के पावन अवसर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा उपहृत भेंट

ब्राह्मी लिपि में उत्तराध्ययन एवं दशवैकालिक सूत्र तथा संज्ञा कोष

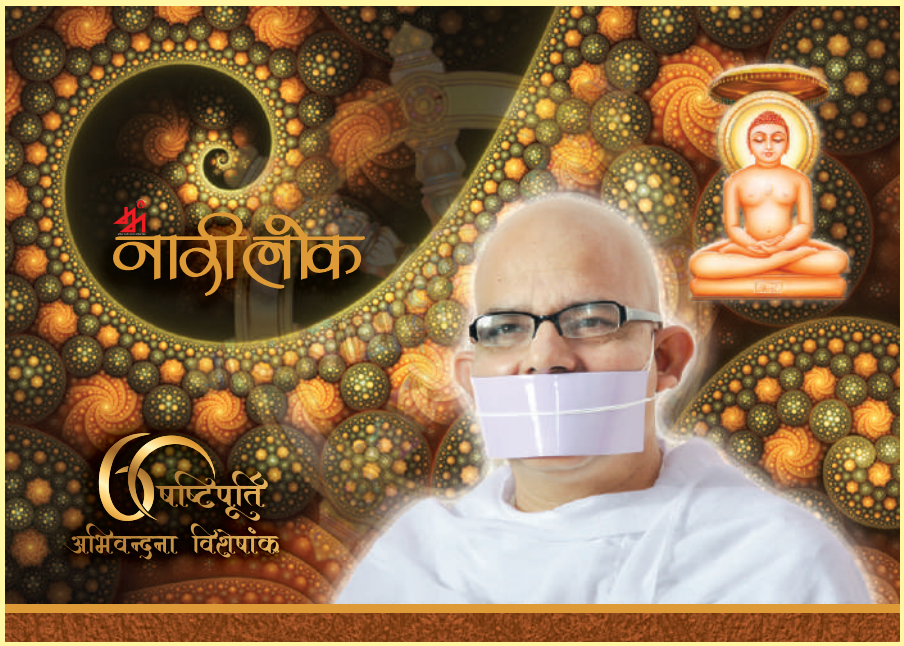

नारीलोक
आचार्य महाश्रमण षष्टिपूर्ति अभिवन्दना विशेषांक

कर्म विज्ञान खेल

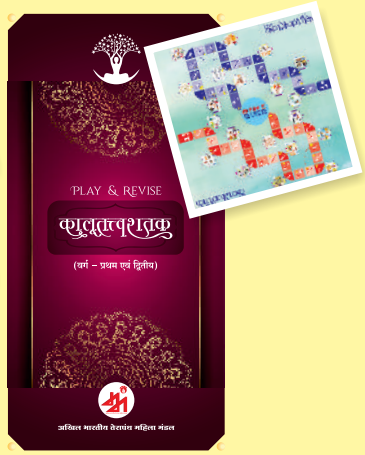

कालूतत्त्वशतक खेल

विशिष्ट कलाकृति

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की षष्टिपूर्ति एवं युगप्रधान अलंकरण पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के सदस्यों ने प्रवचन के दौरान अभ्यर्थना में सुमधुर गीतिका का संगान किया। तत्पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अभिवन्दना में अपना वक्तव्य निवेदित किया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया एवं उपस्थित सदस्यों ने उपरोक्त भेंट को श्रीचरणों में निवेदित किया। श्रीमती मंजू नाहटा ने ब्राह्मी लिपि में लिप्यांतरित आगम के बारे में जानकारी निवेदित की। पूज्यप्रवर ने पावन पाथेय प्रदान कर अभातेममं को कृतार्थ किया।

स्मृति शेष

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
की चीफ ट्रस्टी 'श्राविका गौरव' सौभागजी बैद
के देहावसान पर भावभीनी

हार्दिक श्रद्धांजलि

सरल, शांत और सौम्य स्वभाव की धनी अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की चीफ ट्रस्टी 'श्राविका गौरव' स्व. श्रीमती सौभाग बैद संघ एवं संघपति के प्रति समर्पित एक ऐसा अमिट व्यक्तित्व है जिन्होंने अपने कर्तृत्व की स्याही से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को अनेक रूप में सेवाएं प्रदान की है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल से आप लगभग 24 वर्षों से जुड़ी रही एवं विभिन्न पदों पर गरिमापूर्ण दायित्वों का आपने दृढ संकल्प, गंभीरता, श्रमशीलता के साथ निर्वहन किया। चीफ ट्रस्टी के रूप में आपसे जो स्नेह एवं मार्गदर्शन मिला, वह संस्था को प्राणवान एवं हमें कर्त्तव्यनिष्ठ बनाए रखेगी।

आपकी आत्मा आध्यात्मिक उन्नयन करती हुई अपने लक्ष्य को प्राप्त करे, यही मंगलकामना करते हैं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
एवं समस्त शाखाएं

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध नीवी

अप्रैल-मई माह में

01 अप्रैल	– देवगढ, राजसमन्द	– 13	22 अप्रैल	– आमेट	– 85	13 मई	– भुज	– 13
02 अप्रैल	– बालंगीर	– 06	23 अप्रैल	– चित्रदुर्ग	– 10	14 मई	– उदासर	– 16
03 अप्रैल	– भीनासर	– 05	24 अप्रैल	– दिनहट्टा	– 01	15 मई	– राजनांदगांव	– 03
04 अप्रैल	– पंचकुला	– 08	25 अप्रैल	– नाथद्वारा	– 02	16 मई	– कनाना	– 01
05 अप्रैल	– भिलाई	– 13	26 अप्रैल	– जगदलपुर	– 01	17 मई	– बैंकुण्ठपुर	– 02
06 अप्रैल	– गजपुर	– 13	27 अप्रैल	– भादरा हनुमानगढ़	– 04	18 मई	– केसिंगा	– 07
07 अप्रैल	– राजलदेसर	– 05	28 अप्रैल	– कीम	– 07	19 मई	– गुलाबपुरा	– 05
08 अप्रैल	– सखलेशपुर	– 07	29 अप्रैल	– बरेटा	– 03	20 मई	– सिंधनूर	– 10
09 अप्रैल	– मंड्या	– 25	30 अप्रैल	– लावा सरदारगढ़	– 20	21 मई	– बंगईमुंड़ा	– 01
10 अप्रैल	– हिरियुर	– 37	01 मई	– करवड़	– 15	22 मई	– शिवकासी	– 01
11 अप्रैल	– श्रीरंगपटना	– 06	02 मई	– दौलतगढ़	– 01	23 मई	– अरकोणम्	– 04
12 अप्रैल	– इचलकरंजी	– 81	03 मई	– पालनपुर	– 01	24 मई	– फतेहनगर	– 01
13 अप्रैल	– रायचुर	– 05	04 मई	– दिवेर	– 05	25 मई	– ढेकियाजुली	– 02
14 अप्रैल	– अंबिकापुर	– 05	05 मई	– लूनकरणसर	– 07	26 मई	– नौगांव	– 18
15 अप्रैल	– धरवाड	– 20	06 मई	– वाराणासी	– 06	27 मई	– लाम्बोड़ी	– 09
16 अप्रैल	– बुरहानपुर	– 06	07 मई	– असाड़ा	– 11	28 मई	– बामनिया	– 25
17 अप्रैल	– पांडवपुर	– 02	08 मई	– बायतू	– 05	29 मई	– भट्टा मधुबनी	– 08
18 अप्रैल	– चिकमगलूर	– 43	09 मई	– मेंगलौर	– 01	30 मई	– राजाजी का करेड़ा	– 05
19 अप्रैल	– सांगरिया	– 08	10 मई	– बोरज	– 25	31 मई	– शिशोदा	– 27
20 अप्रैल	– खारूपेटिया	– 08	11 मई	– वीजापुर	– 13			
21 अप्रैल	– जयसिंगपुर	– 22	12 मई	– हासन	– 09			

जिन शाखाओं ने अभी तक सहभागिता दर्ज नहीं करवाई है, वे अवश्य अपना नाम संयोजिका के पास आरक्षित करवाएं।
नीवी में तिथि आरक्षित करने हेतु Google Form Link : https://forms.gle/i9i2hmwWTQEHa4oVA
Touch the link to open Google Form

संयम
एक युद्ध स्वयं के विरुद्ध

.... The doctrine of restraint and abstinence ...

संयम क्या ?

जो नहीं करना हो, उस ओर जब मन आकृष्ट हो जाए और आप उसे प्रयासपूर्वक रोकें, वैसा न करने दें तो उसे संयम कहा जाता है। लेकिन संयम का सही मायने में अर्थ है कि आकर्षणों की ओर जाने के लिए मन सहज रूप से रुक जाए। हम संयम का महत्त्व तो अच्छी तरह समझते हैं , लेकिन उसका यथोचित उपयोग नहीं कर पाते।

संयम = आत्मा, शरीर, स्वभाव एवं पर्यावरण के विपरीत स्थितियों पर नियंत्रण करना

CONTROL OVER FIVE SENSE ORGANS CAN LEAD TO PERFECT संयम

उदाहरण सहित समझाएं

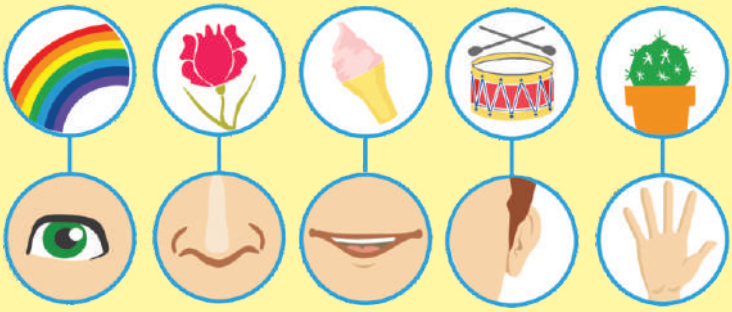

Sanyam is not a bondage but is a protective shield.

संयम ही जीवन है... It's the perfect path towards peaceful, blissful and contended life. संयम यानि सुख का साधन। संयम का और एक अर्थ है आत्मनियंत्रण यानि self-control.

3 Types of Self Control

Self Control

मन	वचन	काया
(Emotional)	(Verbal)	(Physical)

मन को संयमित कर लिया तो वचन और काया का संयम सहज ही आसान हो जाता है।

Benefits of Self Control

Benefits of Physical Self Control	Benefits of Verbal Self Control	Benefits of Emotional Self Control
Good Habits	Healthy Relationships	Peaceful & contended Life
Good Health	Respect in family & society	Self Esteem
Good Environment	Happy Surrounding	Decision Making

संयम की प्राप्ति कैसे हो? Process to attain Self Control

* Morning Affirmations
* Night Visualisation
* छोटे–छोटे त्याग–प्रत्याख्यान
* दीर्घ श्वास प्रेक्षा 5 मिनट तक

सदा ध्यान रखे कि संयम इंसान का बेहतरीन गुण है। जो व्यक्ति संयम नहीं रखता उसके निर्णय, उसकी इच्छाएँ बदलती रहती है और परीक्षा के क्षणों में वह निर्बल साबित होता है। इस स्टेशन से मिली खुराक को प्रतिदिन आचरण में लाने का प्रयास करें और अपने जीवन में 'शान्ति' की अनुभूति करें। इसी के साथ रूपांतरण एक्सप्रेस अगले माह अगले स्टेशन की ओर बढ़ेगी...

शुभम् अस्तु!!!

आचार्य तुलसी

26वां महाप्रयाण दिवस

विसर्जन दिवस पर श्रद्धासिक्त अभिवन्दना

परम पूज्य गुरुदेव ने महती कृपा कर आचार्य तुलसी महाप्रयाण दिवस (विसर्जन दिवस) के आयोजन की प्राथमिकता अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदान की थी, तदर्थ गुरुदेव के प्रति अनन्त कृतज्ञता।

विसर्जन दिवस पर करणीय कार्य

बहनों! आगामी 17 जून 2022 को आचार्य तुलसी के महाप्रयाण को 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। महिलाओं को नया मोड देने वाले परमाराध्य के प्रति अपने श्रद्धासुमन करने का अवसर पुनः आया है। इस सन्दर्भ में समस्त शाखा मंडल 17 जून 2022 को अधोलिखित कार्य अवश्य करें।

लेख प्रतियोगिता : शाखा मंडल अपने क्षेत्रीय स्तर पर सम्पूर्ण श्रावक समाज हेतु लेख प्रतियोगिता का आयोजन करे।
निम्न में से किसी एक विषय पर अधिकतम 750 शब्दों में हस्तलिखित लेख की प्रविष्टियां मंगवाएं :
आचार्य तुलसी : नारी जाति के उन्नायक (या) आचार्य तुलसी : धर्मक्रान्ति के सूत्रधार
लेख प्रतियोगिता के परिणाम 17 जून को मंचीय कार्यक्रम में घोषित कर विजेताओं को पुरस्कृत करें।

प्रवचन (या) मंचीय कार्यक्रम : संभवतः चारित्रात्माओं की सन्निधि में प्रातः प्रवचन के दौरान या प्रातः मंचीय कार्यक्रम के आयोजन का प्रारूप निम्न हो :

- मंगलाचरण – तुलसी अष्टकम्
- कैसी वह कोमल काया रे... गीत का संगान
- 15 मिनट सामूहिक जप – ॐ जय ॐ जय ॐ जय गुरुदेव, मंगलकारी तुम स्वयमेव।
  ॐ जय तुलसी – तुलसी नाम, ॐ श्रीं ह्रीं अर्हं शुभ धाम।
  ॐ श्रीं ह्रीं अर्हं सुख धाम, ॐ श्रीं ह्रीं अर्हं शिव धाम।
- आचार्य तुलसी के जीवन पर कथानक/परिसंवाद
- वक्तव्य : युगपुरुष आचार्य तुलसी
- प्रेरणा पाथेय चारित्रात्माओं द्वारा

अभिनव अन्त्याक्षरी : रात्रिकालीन सत्र में वृहद् 'अभिनव अन्त्याक्षरी' के अन्तर्गत विभिन्न राउण्ड का आयोजन करें।
इसमें कम से कम दो राउण्ड के गीत आचार्य तुलसी पर आधारित होने चाहिए।

SELF REFORMATION

... control yourself and your emotions...

स्वयं को स्वयं से बेहतर बनाएं
खुशहाल जिन्दगी को अपनाएं

It is imperative for us to have total control over ourselves so as to live a happy and contended life. This will not only bring mental peace to our own self but also be good for the people surrounded by us and society in which we live.

महिलाओं के व्यक्तिगत समुन्नति को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ महला मंडल Self Reformation की एक विशेष कार्यशाला लेकर प्रस्तुत हो रहा है। इस पंच साप्ताहिकी कार्यशाला में विभिन्न विषय पर गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

- Listening Skills
- Manage your Anger
- Art of Forgiving
- Enhance your Charm
- Techniques to Convince

Five Fridays
5.30 pm to 6.30 pm

Starting
3rd June 2022

on zoom

Workshop Training by renowned
Mr. Pradip Chopra
Chairman - iLEAD Institution
CMD - PS Group of Companies
Chairman - Educational Committee of CREDAI National
Chairman - IMC of Women's ITI
Chairman - ITI

Don't Miss !!! Do Attend !!!
Join this
Life Changing Workshop
with family & friends

कन्या मंडल

आहट... उजले कल की
संभावनाएं स्वर्णिम पल की

तत्त्वज्ञान पर आधारित Pictorial Videos

अप्रैल माह की नारीलोक में कन्याओं को तत्त्वज्ञान के विभिन्न बोलों अथवा थोकड़ों पर आधारित अंग्रेजी में सरल तरीके से वीडियो बनाने का कार्य दिया गया था। अत्यधिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि कई कन्या मंडल ने इसमें अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। प्राप्त वीडियो प्रविष्टियों को अभातेममं के YouTube Channel पर upload किया जाएगा और सभी संभागी कन्या मंडल से अनुरोध है कि अपनी YouTube Link को अधिक से अधिक Like, Share & Subscribe दिलाने का प्रयास करें। Like, Share & Subscribe के आधार पर भी अलग पारितोषिक दिया जाएगा। तो देर ना करें और अपनी YouTube Link प्राप्त होते ही Like, Share & Subscribe की बौछार प्रारम्भ करवा दें।

जून 2022 का करणीय कार्य

कन्या मंडल को जून महीना Awareness Drive Month के रूप में मनाना है। इसके अन्तर्गत कन्या मंडल को क्षेत्र की कन्याओं के साथ गोष्ठी कर कन्या सदस्यों की संख्या बढाने का लक्ष्य रखना है। कन्या मंडल की गतिविधियों की पर्याप्त जानकारी प्रदान करते हुए कन्याओं को जागरूक करना है। आपस में परिचय गोष्ठी भी रखें और इसमें एक–दूसरे की Hobbies & Creativity आदि के बारे में जानकारी आदान–प्रदान करें। यदि क्षेत्र में चारित्रात्माएं विराज रही हों तो उनकी सन्निधि में इस कार्य को पूर्ण करें।

आपकी अपनी
अर्चना भण्डारी
कन्या मंडल प्रभारी, मो. 9810011500

नवम साध्वीप्रमुखाश्रीजी की अभिवन्दना हेतु पहुंचे श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं श्रीमती बिमला दूगड़

दि. 15 मई 2022 को नवम साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के मनोनयन पर अभिनन्दन हेतु उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं रा.का.स. श्रीमती बिमला दूगड़ सरदारशहर पहुंचे। ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया एवं रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ के साथ साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी को अभिनन्दन पत्र उपहृत किया गया।

दि. 29 मई 2022 को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, रा.का.स. श्रीमती सुमन नाहटा ने दर्शन कर अभिवन्दना व्यक्त की एवं प्रमुखाश्रीजी के अभ्यर्थना में प्रकाशित होने वाली नारीलोक की प्रथम प्रति निवेदित की।

सरदारशहर में महिला मंडल भवन का उद्घाटन

दि. 28 अप्रैल 2022 को तेरापंथ महिला मंडल, सरदारशहर द्वारा नवनिर्मित मंडल भवन का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर आचार्य प्रवर एवं अन्य चारित्रात्माओं का भवन में पदार्पण हुआ। आचार्यप्रवर ने उद्बोधन प्रदान कर महिलाओं को कृतार्थ किया। संरक्षिका श्रीमती शांता पुगलिया, ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया, परामर्शक श्रीमती बिमला नाहटा की गरिमामय उपस्थिति रही। भवन निर्माण में लगे अथक श्रम हेतु स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती सुषमा पींचा को हार्दिक साधुवाद।

गंगाशहर में आचार्य तुलसी समाधि स्थल द्वार का उद्घाटन

दि. 29 मई 2022 को तेममं गंगाशहर द्वारा अध्यात्म की शक्ति पीठ पर आचार्य तुलसी समाधि स्थल द्वार का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री महावीर रांका, महामंत्री श्री हंसराज डागा, सभा उपाध्यक्ष श्री रतनलाल छल्लाणी, टीपीएफ अध्यक्ष श्री मिलाप चौपड़ा, श्री जतन दुगड़, श्री किशन बैद, श्री धर्मेन्द्र डाकलिया आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती ममता रांका ने सभी का स्वागत किया। मंत्री श्रीमती कविता चौपड़ा ने आभार ज्ञापित किया।

शाखा मंडल हेतु कार्यसमिति एवं साधारण सदन रजिस्टर तैयार

अभातेममं ने सभी शाखाओं में एकरूपता की दृष्टि से कार्यसमिति रजिस्टर एवं साधारण सदन रजिस्टर तैयार किया है। इस सेट की कीमत ₹300 रखी गई है। उपरोक्त सेट आप अपने राज्य प्रभारी से मय शुल्क प्राप्त कर सकते हैं। ज्ञात रहे कि इन रजिस्टर में ही कार्यसमिति एवं साधारण सदन की गतिविधियों को अंकित करना अनिवार्य है। पुराने रजिस्टरों को भी सुरक्षित रखा जाए।

राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन : 6-7-8 अगस्त 2022 - छापर में

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 6-7-8 अगस्त 2022 को छापर में समायोजित है। अपने जीवन के उच्च निर्माण में एक कदम और आगे बढ़ें, इसी शुभ भावना के साथ तेरापंथी कन्याओं को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल कन्या अधिवेशन में आमंत्रित करता है। अधिवेशन में अधिकाधिक संख्या में संभागी बन इसे ऐतिहासिक बनाएं।

आपके क्षेत्र से आने वाले सदस्यों की सूचना कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भण्डारी मो. 9810011500 को शीघ्रातिशीघ्र भिजवाएं।

कन्या अधिवेशन हेतु ध्यातव्य बिन्दु

- बड़े क्षेत्रों से 5 एवं छोटे क्षेत्रों से 3 कन्याएं ही भाग ले सकती है।
- प्रत्येक क्षेत्र से कन्या मंडल प्रभारी भी अनविार्य रूप से उपस्थित रहें।
- 6 अगस्त 2022 को मध्यान्ह 12 बजे तक छापर पहुंचने का लक्ष्य रखें।
- आवास 6 अगस्त 2022 को मध्यान्ह 1 बजे से ही उपलब्ध हो सकेगा।
- शुल्क प्रति कन्या एवं प्रति प्रभारी : मात्र ₹500
- सम्पूर्ण अधिवेशन में कन्याओं का कन्या मंडल की यूनिफॉर्म में रहना अनिवार्य है।
- मान्यता पत्र साथ लेकर आएं।
- ओढ़ने-बिछाने का सामान एवं सामायिक उपकरण साथ लेकर आएं।
- 8 अगस्त 2022 को मध्यान्ह 12 बजे तक ही आवास व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। तत्पश्चात् प्रतिभागी प्रस्थान कर सकते हैं।

Impact

महाराष्ट्र स्तरीय प्रबुद्ध महिला सम्मेलन का आयोजन तेममं मुंबई द्वारा

दि. 11 अप्रैल 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में एवं साध्वीश्री जिनरेखाजी तथा साध्वीश्री राकेशकुमारीजी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल मुंबई द्वारा 'इंम्पेक्ट 360 डिग्री' महाराष्ट्र स्तरीय प्रबुद्ध महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया तथा महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया विशेष रूप से उपस्थित थे। राष्ट्रीय कार्यसमिति का मुम्बई महिला मंडल एवं कन्या मंडल द्वारा विशेष रूप से स्वागत किया गया।

प्रथम चरण का शुभारम्भ साध्वीश्री ने नमस्कार महामंत्र के साथ किया तथा कार्यक्रम का आगाज़ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने किया। स्थानीय मंडल की बहनों ने मंगलाचरण किया और स्वागत भाषण स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण ने किया। पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने आगंतुक मेहमानों का स्वागत अभिनंदन करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त की। साध्वीवृन्द ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की।

महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने 360 डिग्री का मतलब समझाते हुए बहनों को मोटिवेट किया। स्थानीय महिला मंडल द्वारा सरदार सती नाटिका का सुंदर मंचन किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने एक गीत के माध्यम से आत्मदीपोभवः को रेखांकित किया। विशेष अतिथि विधायक श्रीमती गीता जैन ने अपना वक्तव्य दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीता संचेती ने She Speaks के अन्तर्गत अपनी life journey बताई, जिसे सुनकर उपस्थित सदस्य भावविभोर हो गए।

साध्वी राकेशकुमारीजी ने प्रेरक उद्बोधन देते हुए कहा कि जब–जब जरूरत पड़ी है महिलाओं ने दुनिया को संभाला है। नारी ही निर्मात्री है। पुरुषों में 64 गुण होते हैं जबकि नारी में 72 होते हैं।

शासनश्री साध्वीश्री जिनरेखाजी ने अपने प्रेरणा पाथेय में कहा कि महिला का मतलब है जिसको कोई हिला न सके। समाज की चेतना को झकझोरने की ताकत महिला में है।

कार्यक्रम में चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री मदनलाल तातेड़, तेरापंथी सभा मुम्बई के अध्यक्ष श्री नरेंद्र तातेड़, मंत्री विजय पटवारी, पूर्वाध्यक्ष श्री भंवरलाल कर्णावट, श्री पवन मेड़तवाल, अभातेममं ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, परामर्शक श्रीमती बिमला नाहटा, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, रा.का.स. श्रीमती तरुणा बोहरा, रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़, रा.का.स. श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया सहित मुम्बई एवं महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों से लगभग 950 से अधिक बहनों की शानदार उपस्थिति रही। मुम्बई एवं उपनगरों के अलावा जलगांव, जयसिंहपुर, पालघर, इचलकरंजी, सोलापुर, ठाणे, ठाणे सिटी आदि क्षेत्रों से बहनें उपस्थित थी।

दूसरे चरण का प्रारम्भ मुंबई कन्या मंडल द्वारा स्वागत गीत संगान से किया गया। उसके बाद टॉक शो – पैनल डिस्कशन के सत्र में स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया के अलावा टीवी एक्ट्रेस श्रीमती सायंतनी घोष, राइटर्स एवं जर्नलिस्ट एसोसिएशन की महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती अल्का अग्रवाल, बॉम्बे हाईकोर्ट की वकील नीता जैन तथा न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका तातेड़ मेहता के साथ सवाल–जवाब किया। टॉक शो में महिला अधिकारों सहित घर एवं घर के बाहर होने वाली समस्याओं पर चर्चा एवं समाधान पर बेहद सधे हुए अंदाज में विस्तार से बातचीत हुई।

इसके बाद ग्रुप डिस्कशन में 'बढ़ते तलाक – जिम्मेदार कौन' विषय पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा ने सभी से गंभीर समस्या और इसके निदान पर चर्चा की। तत्पश्चात उपस्थित लोगों का सम्मान किया गया। दूसरे चरण का संचालन तेरापंथ महिला मंडल मुंबई की सहमंत्री श्रीमती संगीता चपलोत ने किया। अंत में कोषाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सुतरिया ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम चरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया सहित श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, श्रीमती कुमुद कच्छारा, श्रीमती विमला नाहटा, श्रीमती तरुणा बोहरा, श्रीमती निर्मला चंडालिया एवं श्रीमती रचना हिरण आदि ने महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से पधारी महिला मंडल की बहनों से मुलाकात की एवं बहनों की जिज्ञासा का समाधान दिया गया। अंत में आभार ज्ञापन तेरापंथ महिला मंडल की मंत्री श्रीमती अल्का मेहता ने किया।

कार्यक्रम के मध्य प्रेस कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया जिसमें मुम्बई के प्रख्यात समाचार पत्र एवं टी.वी. चैनल से लगभग 50 पत्रकार उपस्थित थे। संस्था द्वारा संचालित योजनाओं एवं आने वाली गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वर्तमान में आयोजित कार्यशाला की सार्थकता पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल की सुर्खियों में रहा।

मुम्बई में चारित्रात्माओं के दर्शन

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने मुम्बई यात्रा के दौरान अभातेममं के पदाधिकारी एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों सहित मुम्बई में विराजित साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी, मुनिश्री जम्बूकुमारजी, शासनश्री साध्वीश्री कैलाशवतीजी, साध्वीश्री अणिमाश्रीजी, साध्वीश्री विद्यावतीजी 'द्वितीय', मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, साध्वीश्री सोमलताजी, शासनश्री साध्वीश्री जिनरेखाजी, साध्वीश्री राकेशकुमारीजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सफर संकल्प से सफलता तक

हिसार में 'सफर : संकल्प से सफलता तक' कार्यशाला

दि. 1 मई 2022 को शासनश्री साध्वीश्री यशोधराजी और शासनश्री साध्वीश्री तिलकश्रीजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्त्वावधान में तेममं हिसार द्वारा 'सफर संकल्प से सफलता तक' कार्यशाला का आयोजन 'हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय' के ऑडिटोरियम में किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, पंजाब प्रभारी श्रीमती उषा जैन, रा.का.स. श्रीमती शशि नाहर, श्रीमती सुमन लुनिया ने अपनी गरिमामई उपस्थिति दर्ज करवाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती योगिता जैन ने सभी अतिथिगणों का स्वागत अभिनंदन किया। महिला मंडल की बहनों द्वारा मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सभाध्यक्ष श्री संजय जैन और तेयुप अध्यक्ष श्री अभिषेक सुराना ने अपनी अभिव्यक्ति दी। बहनों द्वारा संकल्प गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई।

मुख्य अतिथि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निधि बंसल ने बताया कि संकल्पों द्वारा अपनी मंजिल को अपनी कामयाबी को कैसे प्राप्त कर सकते हैं। अभातेममं की पूर्व रा.का.स. श्रीमती विजया जिंदल ने भी बहनों को संबोधित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने बताया कि किस प्रकार बहनें अपने केसरिया परिधान से शौर्य, धैर्य से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करती आई है और भविष्य में भी उसका परचम कैसे लहराते रहना चाहिए।

साध्वीश्री ऋजुयशाजी एवं साध्वीश्री सुश्रुतप्रभाजी ने अपने उद्बोधन से बहनों में नवीन ऊर्जा का संचार किया।

दूसरे सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कन्या मंडल की कन्याओं को श्रीमती अर्चना भंडारी ने विस्तृत जानकारी दी। रा.का.स. श्रीमती शशि नाहर ने तत्त्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती सुमन लुणिया ने मंडल की चार प्रमुख योजनाओं से अवगत कराया। रा.का.स. श्रीमती उषा जैन ने उपस्थित बहनों का उत्साहवर्द्धन किया। हिसार, हांसी, जींद, टोहाना, रोहतक, उचाना, आर्यनगर, नरवाना, तोशाम, चीकामंडी आदि क्षेत्रों से लगभग 150 बहनों ने कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज की। कन्या मंडल ने सुंदर गीत की प्रस्तुति दी एवं रंगोली भी बनाई।

आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिटी केबल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया से संस्था की गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। मंत्री श्रीमती सविका जैन ने सभी का आभार ज्ञापन किया। संचालन श्रीमती प्रीति जैन ने किया।

कार्यक्रम पश्चात् राष्ट्रीय टीम ने साध्वीश्री राजकुमारीजी, साध्वीश्री लब्धिप्रभाजी, शासन श्री साध्वी सरोजकुमारीजी, साध्वीश्री संयमप्रभाजी, साध्वीश्री विशदप्रज्ञाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

छापर में कन्या सुरक्षा सर्कल का भूमि पूजन

अभातेममं के निर्देशन में तेमम छापर द्वारा कन्या सुरक्षा सर्कल का भूमि पूजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामय उपस्थिति में किया। इस अवसर पर संरक्षिका श्रीमती शांता पुगलिया, परामर्शक श्रीमती विमला नाहटा, रा.का.स. श्रीमती उषा जैन, श्रीमती वंदना बरडिया, श्रीमती अमिता नाहटा आदि सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता सुराणा ने अपने वक्तव्य में उपस्थित राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी रूबी अभिनेष महेश्वरी उपस्थित थी। कार्यक्रम में चातुर्मास व्यवस्था समिति अध्यक्ष श्री माणकचंद नाहटा, सभाध्यक्ष श्री विजयसिंह सेठिया, मंत्री श्री चमन दुधोड़िया एवं सभा पूर्वाध्यक्ष श्री भानुप्रताप नाहटा, तेमम पूर्वाध्यक्ष श्रीमती प्रेमदेवी नाहटा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री प्रदीप सुराना, मंत्री श्री विनोद नाहटा आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

जैन संस्कार विधि से पूजन श्री संस्कारक श्री राकेश दुधोडिया ने करवाया। धन्यवाद ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती अलका बैद ने दिया। कार्यक्रम से पूर्व तपोमूर्ति मुनिश्री पृथ्वीराजजी स्वामी ने मंगल पाठ सुनाया एवं शुभकामनाएं संप्रेषित की।

सूचना - उपासक श्रेणी

परम पूज्य गुरुदेव के पावन सान्निध्य में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के तत्त्वावधान में दि. 18 से 26 जुलाई तक छापर में नए उपासक बनने के इच्छुक भाई-बहिनों के लिए उपासक प्रशिक्षण शिविर की समायोजना की गई है। प्रवेश परीक्षा का समायोजन 18 जुलाई को मध्यान्ह में होगा। अधिक जानकारी हेतु उपासक श्रेणी के राष्ट्रीय संयोजक श्री सूर्यप्रकाश सामसुखा मो. 9417944862 से सम्पर्क करें।

REVIVAL घो.चि. पू.लि.

पुरानी ढालों का पुनरावर्तन

अब तक दी गई तीनों ढालों का
पुनरावर्तन करते हुए राग सहित कण्ठस्थ करवाएं।
गीत ABTMM Facebook Page पर उपलब्ध हैं एवं
विवेचन PDF द्वारा संप्रेषित किया जा चुका है।
चार ढालों के पश्चात् राग एवं विवेचन के आधार पर
अभातेममं द्वारा प्रतियोगिता करवाई जाएगी।
अधिक जानकारी हेतु
महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया मो. 9427133069
से संपर्क करें।

'परचम : केसरिया शक्ति का' कार्यशाला

(राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा संपादित कार्यशाला)

के.जी.एफ.

दि. 14 अप्रैल 2022 को साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में अभातेमम के तत्त्वावधान में के.जी.एफ. में 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में हुआ। रा.का.स. श्रीमती मंजूला डूंगरवाल एवं श्रीमती शालिनी लूंकड की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। बहनों द्वारा मंगलाचरण व स्वागत गीत की प्रस्तुति हुई। साध्वीश्रीजी ने अपने उद्‌बोधन में फरमाया कि संस्था के विकास के लिये हमें हमेशा जागरूक होना चाहिये। संस्था से जुड़ेंगे तो समाज का विकास होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में कहा कि आप परचम तभी लहरा पाएंगे, जब आप किसी एक क्षेत्र में अपना विकास करेंगे। केसरिया गणवेश के बारे में बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारी दी गई। श्रीमती शालिनी लुंकड़ ने कहा की जो कार्य हम बार बार करते हैं, वही हमारे मन को प्रभावित करता है। इसलिए हमारे आचरण में हमेशा अच्छे संस्कारों को पल्लवित करना चाहिए। ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी व Wisdom Wednesday में भाग लेने की भी सलाह दी। श्रीमती मंजूला डूंगरवाल ने एजेन्डा बुक, मिनट बुक, गतिविधि बुक के बारे में व प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के बारे में बताया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती भँवरीबाई हिंगड ने सभी का स्वागत व सम्मान किया। आभार व्यक्त मंत्री श्रीमती प्रिया बांठिया ने किया व कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कान्ता सेठिया ने किया।

ठाणे सिटी

दि. 9 अप्रैल 2022 को अभातेमम के तत्त्वावधान में तेमम ठाणे सिटी द्वारा 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में हुआ। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, संरक्षिका श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, पूर्व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा व महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया की विशेष उपस्थिति रही। कार्यकारिणी टीम के भव्य स्वागत पश्चात् स्थानीय महिला मंडल ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी।

स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती अनिता धारीवाल ने अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। प्रांजल श्रीश्रीमाल व खुशबू पामेचा ने एक वीडियो के माध्यम से तेमम ठाणे सिटी के कृत कार्यों की सुन्दर प्रस्तुति दी। विशेष अतिथि के रूप में महाराष्ट्र भाजपा उपाध्यक्ष श्रीमती माधवी नाईक ने महिला मंडल के कार्यों की सराहना की। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने बताया कि कैसे आचार्यश्री तुलसी ने महिला मंडल के रूप में हमें विकास का अवसर दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने ओजस्वी वक्तव्य में बताया कि कैसे तेरापंथी बहनें केसरिया परिधान के परचम को अपने दायित्व से, धैर्य से, वात्सल्य से फहरा सकते हैं। चुनाव, संविधान, आय–व्यय का ब्यौरा, रिपोर्टिंग आदि के बारे में भी उपयोगी जानकारी दी गई। पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने 12 व्रत के बारे में विस्तृत जानकारी दी। खुला मंच सत्र में बहनों की जिज्ञासा का समाधान दिया गया। श्रीमती सरला भूतोड़िया ने सुंदर गीतिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निशा भटेवरा व प्रीति श्रीश्रीमाल ने किया। लगभग 150 महिलाओं ने इस आयोजन में सहभागिता दर्ज की। भिक्षु महाप्रज्ञ ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री निर्मलजी, ठाणे सभाध्यक्ष श्री जयंतीलाल बरलोटा, मंत्री श्री रमेश सोनी व श्री मनोहर कच्छारा, तेयुप अध्यक्ष श्री अविनाश गोगड़ की भी उपस्थिति रही। स्थानीय मंत्री श्रीमती जयंती भंसाली ने आभार ज्ञापित किया।

गुरुग्राम

दि. 27 अप्रैल 2022 को गुरुग्राम में अभातेमम के तत्त्वावधान में तेमम गुरुग्राम द्वारा 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में हुआ। ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, रा.का.स. श्रीमती मंजू भूतोड़िया, श्रीमती सुमन नाहटा, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती शिल्पा बैद, श्रीमती कुसुम बैंगानी ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज करवाई। मंगलाचरण से प्रारम्भ सत्र में स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रूबी बापना ने स्वागत अभिभाषण दिया। मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती मधु आजाद ने मंडल के कार्यों की सराहना की। ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने संविधान की जानकारी देते हुए उसके प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में केसरिया परिधान के परचम को अपने दायित्व, धैर्य एवं वात्सल्य से फहराने को कहा। श्रीमती मंजू भूतोड़िया ने तत्त्व परीक्षाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

खुला मंच सत्र में श्रीमती नीलम सेठिया ने बहनों की जिज्ञासा का समाधान किया। रा.का.स. श्रीमती सुमन नाहटा ने कन्या सुरक्षा सर्कल के बारे में जानकारी दी। श्रीमती सुनीता जैन ने वक्तृत्व कला के गुर बताए। स्थानीय बहनों ने सुन्दर गीतिका प्रस्तुत की। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भण्डारी ने कन्या मंडल के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कन्या मंडल का गठन भी किया गया। रा.का.स. श्रीमती शिल्पा बैद ने युवा पीढी को जोड़ने की बात कही।

श्रीमती पिंकी चोपड़ा के वर्षीतप का अभिनन्दन किया गया। संचालन स्थानीय मंत्री श्री पूनम जैन ने किया। श्रीमती शशि जैन, श्रीमती मधु बोथरा, श्रीमती कुसुम दूगड़, श्रीमती कमला दस्साणी,

'परचम : केसरिया शक्ति का' कार्यशाला

(राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा संपादित कार्यशाला)

श्रीमती पुष्पा कुंडलिया, श्रीमती चंद्रकला घीया, श्रीमती आरती दूगड़, श्रीमती आशा जैन, सभाध्यक्ष श्री प्रकाश जैन, सभा मंत्री श्री विवेक जैन, तेयुप अध्यक्ष श्री जितेन्द्र जीरावला, मंत्री श्री कपिल गेलड़ा, टीपीएफ अध्यक्ष श्री संजय जैन, उपाध्यक्ष श्री विनोद बापना एवं श्री सुभाष जैन, श्री बाबूलाल सुराणा, श्री अशोज जैन, श्री एस.पी. जैन, श्री विमल सेठिया, श्री भैरव जैन आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। श्रीमती निर्मला दुधोड़िया ने आभार ज्ञापित किया।

सिरसा

दि. 30 अप्रैल 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं सिरसा द्वारा 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में हुआ। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने गरिमामय उपस्थिति दर्ज करवाई। स्थानीय महिला मंडल के मंगलाचरण पश्चात् स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन गुजरानी ने अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती अनुराधा ने महिला मंडल के कार्यों की सराहना की एवं महिला के अधिकारों में न्यायपालिका के सहयोग से अवगत करवाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने बताया कि 50 वर्षों से केसरिया परिधान शौर्य एवं धैर्य से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करती आ रही है। श्रीमती अर्चना भंडारी ने कन्याओं को विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती शशि नाहर ने तत्त्वज्ञान तथा तेरापंथ दर्शन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मंडल की चार मूलभूत योजनाओं से अवगत कराया। संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती नीतू जैन तथा श्रीमती प्रिया जैन ने किया। सभाध्यक्ष श्री देवेंद्र जैन एवं अन्य समितियों के पदाधिकारीगण सहित लगभग 90 व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही। महिला मंडल, कन्या मंडल तथा ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा सुंदर प्रस्तुति दी गई।

छोटी खाटू

दि. 4 मई 2022 को साध्वीश्री शान्ताकुमारीजी की पावन सन्निधि में अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में छोटी खाटू में 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला आयोजित की गई। रा.का.स. श्रीमती उषा जैन की भी गरिमामय उपस्थिति रही। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती कुसुम बेताला ने स्वागत स्वर उकेरते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के पदार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने ससुराल पक्षीय गांव में आने की अतिरिक्त प्रसन्नता जाहिर करते हुए महिलाओं को आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों में यथायोग्य शक्ति को नियोजित करने का आह्वान किया। केसरिया शक्ति का महत्त्व बताते हुए उक्त शक्ति का परचम फहराने का निवेदन किया। साध्वीश्री शान्ताकुमारीजी ने अपने मंगल उद्बोधन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा कृत कार्यों की सराहना करते हुए समग्र महिला समाज को जागरूकतापूर्वक दायित्व निर्वहन करने का संदेश प्रदान किया। स्थानीय मंत्री श्रीमती स्तवना बेताला ने आभार ज्ञापित किया।

छापर

दि. 5 मई 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं छापर द्वारा 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में किया। संरक्षिका श्रीमती शान्ता पुगलिया, परामर्शक श्रीमती विमला नाहटा, रा.का.स. श्रीमती उषा जैन, श्रीमती वन्दना बरड़िया, श्रीमती अमिता नाहटा की भी गरिमामय उपस्थिति रही। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता सुराना ने स्वागत भाषण में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने संबोधन में महिलाओं को अपनी शक्ति का नियोजन आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों में करने को कहा। संरक्षिका श्रीमती शान्ता पुगलिया ने संगठन पर एवं रा.का.स. श्रीमती वन्दना बरड़िया ने मीडिया पर अपने विचार प्रस्तुत किए। मंडल के सदस्यों की जिज्ञासा का सामधान दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती अलका बैद ने दिया।

बीदासर

दि. 5 मई 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं बीदासर द्वारा 'परचम केसरिया शक्ति का' का आयोजन साध्वीश्री सुदर्शनाश्री के सान्निध्य में किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया, परामर्शक श्रीमती विमला नाहटा, रा.का.स. श्रीमती उषा जैन, श्रीमती वंदना बरड़िया एवं श्रीमती अमिता नाहटा की उपस्थिति रही। साध्वीश्रीजी द्वारा नमस्कार महामंत्र का उच्चारण के पश्चात् कन्या मंडल द्वारा भिक्षु अष्टकम् की सामूहिक प्रस्तुति दी। महिला मंडल ने स्वागत गीतिका का संगान किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती चंदा देवी गिड़िया ने स्वागत अभिभाषण प्रस्तुत किया। श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने जोशीले वक्तव्य में बहनों को केसरिया परिधान के शक्ति से अवगत करवाया। श्रीमती वंदना बरड़िया ने सोशल मीडिया से ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की प्रेरणा दी। मंत्री श्रीमती रुचि छाजेड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन सुश्री पूनम फलोदिया व गरिमा बोथरा ने किया।

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा परिणाम 2021

ज्ञान और श्रद्धा का समन्वित रूप है तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम जो थोकड़ों के माध्यम से ज्ञान पीपासा को शान्त करता है तथा तेरापंथ के सिद्धान्त परम्परा व इतिहास की जानकारी प्रदान कर श्रद्धा को घनीभूत करता है। इस प्रकार मनुष्य अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है।

- तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा के लिए 76 परीक्षा केन्द्रों से कुल 1093 फॉर्म भरे गए।
- 18 व 21 दिसम्बर 2021 को 480 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।
- परीक्षा परिणाम 98% रहा।
- सन् 2020 में तत्त्वज्ञान पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 52 + 1 मुमुक्षु तत्त्व प्रचेता बने व 5 तेरापंथ प्रचेता बने।
- सन् 2021 में 34 तत्त्व प्रचेता व 7 तेरापंथ प्रचेता बने।
- सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से ढेरों बधाईयां।
- 37 चारित्रात्माओं ने अगस्त व दिसम्बर में तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन की परीक्षा दी। 5 चारित्रात्मा तत्त्वप्रचेता व 2 तेरापंथ प्रचेता बने।

टॉपर्स लिस्ट – चारित्रात्माएं/समणी

तत्त्वज्ञान प्रथम वर्ष

प्रथम – साध्वी विज्ञप्रभा
द्वितीय – साध्वी श्रुतिप्रभा, साध्वी सुमनप्रभा
तृतीय – साध्वी परमार्थप्रभा

तत्त्वज्ञान द्वितीय वर्ष

प्रथम – साध्वी प्रज्ञाप्रभा
द्वितीय – साध्वी विज्ञप्रभा
तृतीय – साध्वी प्रफुल्लप्रभा

तत्त्वज्ञान तृतीय वर्ष

प्रथम – साध्वी कुमुदप्रभा
द्वितीय – साध्वी विपुलयशा
तृतीय – साध्वी आदित्यप्रभा

तत्त्वज्ञान चतुर्थ वर्ष

प्रथम – साध्वी नैतिकप्रभा
द्वितीय – साध्वी आर्षप्रभा
तृतीय – साध्वी आलोकप्रभा

तत्त्वज्ञान पंचम वर्ष

प्रथम – साध्वी महिमाश्री
द्वितीय – समणी शरदप्रज्ञा
तृतीय – साध्वी प्रवीणप्रभा
एवं साध्वी माननीयप्रभा

तत्त्वज्ञान षट वर्ष

प्रथम – साध्वी निर्णयप्रभा
द्वितीय – साध्वी प्रगतिप्रभा
तृतीय – साध्वी ओजस्वीप्रभा

तेरापंथ दर्शन प्रथम वर्ष

प्रथम – साध्वी कमनीयप्रभा

तेरापंथ दर्शन द्वितीय वर्ष

प्रथम – साध्वी यशस्वीप्रभा

तेरापंथ दर्शन तृतीय वर्ष

प्रथम – साध्वी तरुणयशा
द्वितीय – साध्वी नवीनप्रभा

तेरापंथ दर्शन पंचम वर्ष

प्रथम – साध्वी ऋषिप्रभा
द्वितीय – साध्वी चारूलता

टॉपर्स लिस्ट – श्रावक/श्राविकाएं

तत्त्वज्ञान प्रथम वर्ष

प्रथम – अनिता पटावरी
द्वितीय – अनिता गादिया, आदित्य कोठारी, समता छाजेड़
तृतीय – कनक बोथरा

तत्त्वज्ञान द्वितीय वर्ष

प्रथम – कोमल मेहता
द्वितीय – पूनम जैन
तृतीय – ऋतु बांठिया, अल्का सेठिया, रूबी बापना, हेमश्री भंसाली, कविता डागा

तत्त्वज्ञान तृतीय वर्ष

प्रथम – तमन्ना भंडारी
द्वितीय – सम्प्रति दूगड़, संगीता बोथरा, सुशीला सिंघवी
तृतीय – ममता मांडोत, कुसुम बैद

तत्त्वज्ञान चतुर्थ वर्ष

प्रथम – संजना चोपड़ा
द्वितीय – अनिता बोथरा, प्रियंका सुराणा
तृतीय – शकुन्तला राखेचा

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा परिणाम 2021

तत्त्वज्ञान पंचम वर्ष

प्रथम – रंजना दूगड़
द्वितीय – संगीता गटागट
तृतीय – चन्दा दूगड़

तत्त्वज्ञान षट वर्ष

प्रथम – चेतना कर्णावट
द्वितीय – चेष्टा सुराणा
तृतीय – गुणवंती दूगड़

तेरापंथ दर्शन प्रथम वर्ष

प्रथम – हेमा दूगड़
द्वितीय – बबीता तातेड़
तृतीय – कान्ता नौलखा

तेरापंथ दर्शन द्वितीय वर्ष

प्रथम – प्रियंका दुधेड़िया
द्वितीय – स्नेहलता पुगलिया
तृतीय – विजया मेहता

तेरापंथ दर्शन तृतीय वर्ष

प्रथम – सपना डागलिया
द्वितीय – ममता शाह
तृतीय – शिल्पा बडाला

तेरापंथ दर्शन चतुर्थ वर्ष

प्रथम – खुशबू कोचर
द्वितीय – संतोष भंसाली
तृतीय – डॉ. पुखराज सेठिया

तेरापंथ दर्शन पंचम वर्ष

प्रथम – शीतल संघवी
द्वितीय – कमला भंसाली
तृतीय – सीमा डांगी

परीक्षा परिणाम व मार्कशीट परीक्षा केन्द्रों को भेजे जा चुके हैं।

ध्यानार्थ

- द्वितीय वर्ष तथा उससे ऊपर की कक्षा के परीक्षार्थी फॉर्म के साथ मार्कशीट की फोटोकॉपी अवश्य संलग्न करे। सही तरीके से तथा पूर्ण भरा हुआ फॉर्म ही मान्य होगा।
- तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन के फॉर्म के साथ रु. 100 प्रवेश शुल्क राशि ABTMM के A/c No. 10272010000350 पंजाब नेशनल बैंक में डलवाकर बैंक स्लिप की फोटोकॉपी साथ में अवश्य संलग्न करें। प्रवेश शुल्क जमा होने पर ही फॉर्म मान्य होगा।
- रिचेकिंग का रिजल्ट जून तक आ जाएगा।
- परीक्षा केन्द्र के लिए कम से कम 8 परीक्षार्थियों के फॉर्म भेजना आवश्यक है, अन्यथा मान्य नहीं होगें।
- फॉर्म भेजने की अन्तिम तिथि 20 जुलाई 2022 है।
- पुस्तकों की आवश्यकता होने पर रोहिणी कार्यालय प्रभारी श्री सुनील मो. 7733888138 से सम्पर्क करें।
- चारित्रात्माओं की तत्त्वज्ञान की परीक्षा 17 अगस्त बुधवार व 20 अगस्त शनिवार 2022 को होगी।
- तत्त्व विज्ञ की परीक्षा भी 17 अगस्त व 20 अगस्त 2022 को है।
- फॉर्म भेजने का पता :

श्रीमती मंजु भूतोड़िया
D-68, 2nd फ्लोर, कीर्तिनगर, नई दिल्ली – 15.

जैन स्कॉलर
तृतीय बैच का समापन सत्र

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित जैन स्कॉलर परियोजना के तृतीय बैच का समापन सत्र 28 अप्रैल 2022 से 2 मई 2022 तक लाडनूं के रोहिणी भवन में आयोजित हुआ। इस अन्तिम सत्र में 27 परीक्षार्थी उपस्थित थे एवं उनकी लिखित एवं मौखिक परीक्षाएं ली गई। परीक्षा–सत्र में इस परियोजना की निदेशक डॉ. मंजू नाहटा, सह–निदेशक श्रीमती कनक बरमेचा, परीक्षक श्रीमती वीरबाला छाजेड़, श्रीमती सुषमा आंचलिया, सुश्री रंजना गोठी एवं संयोजिका श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा उपस्थित थी। 30 अप्रैल एवं 1 मई को परीक्षाएं सम्पन्न हुई। 1 मई को रात्रि में आयोजित चिन्तन–गोष्ठी में सभी स्कॉलर्स ने निदेशक एवं प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए अभातेममं द्वारा सुन्दर व्यवस्थाओं हेतु आभार ज्ञापित किया। 2 मई को समस्त स्कॉलर्स गुरु–दर्शनार्थ सरदारशहर पहुंचे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने सभी स्कॉलर्स का सरदारशहर में स्वागत किया।

गुरुदेव ने महती कृपा कर स्कॉलर्स को संस्कृत भाषा में प्रेरणा पाथेय प्रदान किया। साध्वीप्रमुखाश्रीजी एवं मुख्यमुनिप्रवर ने भी समय प्रदान करते हुए मंगल उद्‌बोधन प्रदान किया। अभातेममं पर्यवेक्षक साध्वीश्री कल्पलताजी ने स्कॉलर्स के उपयोग हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। सरदारशहर प्रवास व्यवस्था समिति की ओर से महामंत्री श्रीमती सूरज बरड़िया ने सभी स्कॉलर का स्वागत एवं आतिथ्य सत्कार किया।

संस्था का प्रयास
फैले 7500 दिव्यांग बच्चों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश

आजादी के 75वें वर्ष पर आयोजित प्रोजेक्ट 'स्नेहम्' से देश के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की रोशनी देने का सार्थक प्रयास कर रहे हैं हमारे शाखा मंडल। अप्रैल–मई माह में शाखा मंडल द्वारा अंध–मूक–बधिर बच्चों हेतु प्रदत्त पाठ्य सामग्री की सूची :–

शाखा	स्कूल/आश्रम का नाम	सामग्री वितरित	गणमान्य उपस्थिति
कोटा	मूक बधिर विद्यालय	2 ब्लैक बोर्ड	
इचलकरंजी	रोटरी मूक बधिर शाला	5 श्रवण यंत्र	संस्था संस्थापक श्री डी. एम . कस्तूरे श्रीमती स्मिता रणदिवे (प्रधानाध्यापिका)
अहमदाबाद	मूक बधिर शाला सोसायटी	8 हियरिंग मशीन	रा.का.स. अदिति सेखानी एवं विशाखा दफ्तरी
गुरुग्राम	AICB कप्तान चन्दन लाल ब्लाइंड स्कूल	ब्रेल पेपर, ब्रेल बुक्स	राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बेंगानी, श्रीमती सुमन नाहटा, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती मंजू जी भूतोडिया, श्रीमती अर्चना भण्डारी, श्रीमती शिल्पा बैद, श्रीमती कुसुम बेंगानी, गुरुग्राम महापौर श्रीमती मधु आजाद
विजयनगरम्	द्वारकामयी अंध पाठशाला	ब्रेल मटेरियल	ब्लड बैंक प्रेसिडेंट श्री राजेंद्र कुमार जैन
पालघर	कर्ण मूक बधिर स्कूल	40 श्रवण यंत्र	मुख्याध्यापक श्री प्रशांत रमेश भट्ट
उदयपुर	रा.उ.मा.वि. प्रज्ञा चक्षु अंध	20 ब्रेल जर्मन स्लेटें, 1500 ब्रेल पेपर	पूर्व जिला प्रमुख श्रीमती मधु मेहता, प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम माहेश्वरी
विजयनगर बेंगलुरु	सहाना चैरिटेबल ट्रस्ट	ब्रेल बुक्स	कर्नाटक प्रभारी श्रीमती मधु कटारिया, रा.का.स. श्रीमती वीणा बैद, आश्रम अध्यक्ष श्री नरसिम्हा
जयपुर शहर	नेत्रहीन विद्यालय	15 बच्चों को साल भर के सिलेबस की पुस्तकें	चीफ ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद, पूर्व महापौर श्रीमती ज्योति खंडेलवाल
जयपुर शहर	नेत्रहीन विद्यालय	20 बच्चों को साल भर के सिलेबस की पुस्तकें	
कांकरोली	जागृति उच्च माध्यमिक विश्वविद्यालय	प्रोजेक्टर और स्क्रीन	विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी, अभातेममं सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, रा.का.स. श्रीमती नीना कावड़िया
पूर्वांचल कोलकाता	कलकत्ता डेफ एंड डम्ब स्कूल	एक प्रोजेक्टर एवं स्क्रीन	वार्ड कमिश्नर श्री अयान चक्रवर्ती, प्रिंसिपल श्री समीर सामंत

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

जून 2022

सन्दर्भ पुस्तक : धर्म है उत्कृष्ट मंगल (पृष्ठ संख्या 43 से 66)

एक शब्द में उत्तर दें

1. अध्यात्म साधना का केन्द्रीय तत्त्व कौनसा है ?
2. दिन में एक समय, एक बार, केवल एक धान्य के अतिरिक्त कुछ नहीं खाना उसे क्या कहते हैं ?
3. निर्जरा के बारह प्रकारों में पांचवां प्रकार कौन सा है ?
4. शीतकाल में निर्वस्त्र रहकर अथवा अल्पवस्त्र रखकर सर्दी सहन करना क्या कहलाता है ?
5. प्रतिसंलीनता के मुख्य कितने प्रकार है ?
6. कषाय–प्रयोग से होने वाली हानियों का उल्लेख कौन से सूत्र में मिलता है ?
7. आलोचना करने पर विशुद्धि कराने वाला कहलाता है ?
8. जिसे धर्म प्रिय हो उसे कहते हैं ?
9. निर्जरा के बारह भेदों में आठवां भेद कौन सा ?
10. लोकोपचार विनय के कितने प्रकार है ?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. मोहनीय कर्म को आठ कर्मो में ..... कहा जाता है।
12. अध्यात्म जगत का मौलिक तत्त्व है ..... ।
13. तैजस शरीर – यह सूक्ष्म शरीर है ..... है।
14. ..... और सुसमाहित मुनि गर्मी में आतापना लेते हैं ।
15. माया मित्ताणि नासेइ – माया मित्रता का ..... करती है ।
16. प्रतिसंलीनता ..... बनने का मार्ग है।
17. प्रायश्चित एक प्रकार की ..... है ।
18. प्रायश्चित देने का अधिकारी भी ..... सम्पन्न होना चाहिए।
19. ज्ञान विनय के ..... प्रकार है ।
20. काय विनय के दो प्रकार है – प्रशस्त काय विनय और ..... काय विनय ।

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 जून 2022

Google Form Link : https://forms.gle/VZy1fPs4MbTr3SQG7

(Click here to go to Google Form)

अप्रैल 2022 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. अकाम	02. देशविरत	03. नोकषाय	04. क्षायोपशमिक	05. इत्वरिक
06. तीन	07. ऊनोदरी	08. अल्पमाया	09. चार	10. काल
11. निर्जरा	12. निरनुबन्धा	13. समीचीन	14. न्यूनतम	15. पूर्व
16. सर्वश्रेष्ठ	17. अल्पीकरण	18. निश्चिंतता	19. महनीय	20. अभिग्रह

अप्रैल 2022 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. श्रीमती मंजुदेवी ढेलड़िया, बालोतरा
2. श्रीमती सीमाराज कोठारी, चुरू
3. श्रीमती मीना जैन, भीलवाड़ा
4. श्रीमती कविता डागा, राउरकेला
5. श्रीमती पुष्पा नागौरी, मुम्बई
6. श्रीमती निशा पींचा, सिकन्दराबाद
7. सुश्री जयश्री कुण्डलिया, सुजानगढ़
8. श्रीमती अनिता धारीवाल, तरातला
9. श्रीमती सुनीता जैन, नीमच
10. श्रीमती विनीता डागा, भवानीपुर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदत्त अनुदान

समस्त अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

₹3,25,000
श्रीमती विजया देवी मालू
(सरदारशहर – दिल्ली)

₹1,51,111
तेरापंथ महिला मंडल
मुम्बई

₹1,51,000
तेरापंथ महिला मंडल
सरदारशहर

₹51,000
तेरापंथ महिला मंडल
छापर

₹31,000
जेमिश
रोशनलालजी भोगर
की स्मृति में
श्रीमती दलुबाई
श्री जवेरचन्दजी भोगर
(सायरा – सूरत)

₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, गुलाबबाग
₹21,000	श्री जितेन्द्र श्रीमती सीमा बैद (गुलाबबाग) द्वारा पच्चीसवीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में
₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, उत्तर हावड़ा
₹21,100	श्री मदनलालजी बाफणा की स्मृति में श्री विनोद कुमार श्रीमती रूबी बापना, गुरुग्राम
₹15,000	तेरापंथ महिला मंडल, फरीदाबाद (भावना सेवा)
₹11,000	तेरापंथ महिला मंडल, के.जी.एफ. (भावना सेवा)

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन : 15-16-17 सितम्बर 2022 - छापर में

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय महिला अधिवेशन आगामी 15–16–17 सितम्बर 2022 को समायोजित है। सभी शाखा मंडल से निवेदन है कि 15 सितम्बर 2022 को छापर पहुंचने का लक्ष्य रखें। विस्तृत जानकारी नारीलोक के आगामी अंक में प्रेषित की जाएगी।

तत्त्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन परीक्षाएं एवं शिविर : 18-19 सितम्बर 2022 - छापर में

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्त्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन की परीक्षाएं एवं शिविर आगामी 18–19 सितम्बर 2022 को समायोजित है। विद्यार्थी इस विषय को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त दिवस पर छापर पहुंचने का लक्ष्य रखें। विस्तृत जानकारी नारीलोक के आगामी अंक में प्रेषित की जाएगी।

शाखा मंडल के साधारण सदन

समस्त शाखा मंडल वर्ष 2021–2022 का साधारण सदन 15 जून से 15 जुलाई 2022 के मध्य अनिवार्य रूप से आयोजित करे।

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

महामंत्री कार्यालय
मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com

नारीलोक
देखने हेतु
Touch to open
www.abtmm.org
Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/
Touch to open
https://bit.ly/youtubeabtmm

नारीलोक प्राप्ति हेतु सम्पर्क सूत्र
मंजुला डूंगरवाल
12 सहदेवपुरम
सेलम 636 007. (तमिलनाडु)
मो. 9841399155
Email: pinky28380@gmail.com